कार्यक्रम परियोजना रिपोर्ट

कार्यक्रम –मास्टर ऑफ आर्ट्स संस्कृत (एम. ए. संस्कृत)

कार्यक्रम के विषय में :–

कला संकाय के अन्तर्गत एम. ए. संस्कृत दो वर्षीय चार सेमेस्टर की अवधि का स्नातकोत्तर कार्यक्रम है, इस कार्यक्रम के माध्यम से शिक्षार्थियों को वैदिक एवं लौकिक संस्कृत साहित्य, प्राचीन भारतीय सभ्यता एवं परंपरा से परिचित कराना है । इस कार्यक्रम से संस्कृत भाषा में अभिरूचि रखने वाले शिक्षार्थियों को संस्कृत भाषा का ज्ञान अर्जित करने का अवसर प्राप्त होगा इस कार्यक्रम में स्नातक उत्तीर्ण शिक्षार्थी प्रवेश लेकर उच्च शिक्षा प्राप्त कर सकते है।

(अ) कार्यक्रम का लक्ष्य और उद्देश्य :–

कार्यक्रम का लक्ष्य :–

दूरस्थ एवं ऑनलाइन शिक्षा केन्द्र में एम. ए. संस्कृत कार्यक्रम का मिशन शिक्षार्थियों को संस्कृत भाषा शिक्षण की उच्चस्तरीय मूल्य आधारित शिक्षा प्रदान कर प्राचीन भारतीय संस्कृति, परंपरा, शिक्षा–दर्शन के साथ साथ वैदिक एवं लौकिक संस्कृत साहित्य का ज्ञान कराना एवं समसामयिक शिक्षा के साथ समन्वय स्थापित करना तथा ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में संस्कृत भाषा शिक्षण को प्रोत्साहित करना है।

कार्यक्रम के उद्देश्य :–

1. दूरस्थ एवं ऑनलाइन शिक्षा केन्द्र में एम. ए. संस्कृत कार्यक्रम के माध्यम से शिक्षार्थियों को समसामयिक शिक्षा के साथ साथ प्राचीन एवं पारंपरिक संस्कृत भाषा को सीखने का अवसर प्रदान करना।
2. दूरस्थ एवं ऑनलाइन शिक्षा केन्द्र के माध्यम से शिक्षार्थियों को वैदिक एवं लौकिक संस्कृत साहित्य का ज्ञान कराना।
3. संस्कृत विषय में रूचि रखने वाले शासकीय/अशासकीय कर्मचारियों के लिए उच्च शिक्षा प्राप्त करने का अवसर प्रदान करना।
4. शिक्षार्थियों की आवश्यकताओं की पूर्ति हेतु नवीन और प्रासंगिक शैक्षणिक अवसर प्रदान करना।
5. दूरस्थ एवं ऑनलाइन शिक्षा केन्द्र के माध्यम से संस्कृत भाषा शिक्षण को ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में प्रोत्साहित करना।
6. एम. ए. संस्कृत कार्यक्रम के प्रशिक्षण द्वारा शिक्षार्थियों के सामाजिक, आध्यात्मिक, नैतिक एवं व्यावहारिक गुणों का विकास कर उनमें उच्च आदर्श व्यक्तित्व का निर्माण करना।

Dr. C.V. Raman University Vice Chancellor Bilaspur (C.G.)

Registrar

7. एम. ए. संस्कृत कार्यक्रम के द्वारा समसामयिक शिक्षा, विज्ञान, एवं आध्यात्मिकता के साथ पारंपरिक शिक्षा का समन्वय स्थापित करना।

8. संस्कृत भाषा शिक्षण एवं अधिगम प्रक्रिया को उत्कृष्ट, सशक्त बनाने हेतु प्रोत्साहित करना।

9. संस्कृत भाषा कौशल का विकास करना।

(ब) विश्वविद्यालय के लक्ष्य के साथ कार्यक्रम की प्रासंगिकता :–

डॉ. सी. व्ही. रमन विश्वविद्यालय दूरस्थ एवं ऑनलाइन शिक्षा केन्द्र का उद्देश्य शिक्षार्थियों को गुणवत्तायुक्त उच्च स्तरीय मूल्य आधारित शिक्षा प्रदान करना, विश्वविद्यालय के मुक्त एवं दूरवर्ती व नियमित शिक्षा में विभिन्न पाठ्यक्रम जैसे वाणिज्य, प्रबंधन, विज्ञान, शिक्षा एवं कला के माध्यम से शिक्षार्थियों के व्यक्तित्व, कौशल, ज्ञान, योग्यता का सर्वांगीण विकास करना।

दूरस्थ एवं ऑनलाइन शिक्षा केन्द्र में एम. ए. संस्कृत कार्यक्रम के द्वारा नियमित शिक्षा से वंचित शिक्षार्थी जो अपने ज्ञान, शैक्षणिक योग्यता, वैयक्तिक कौशल में वृद्धि करना चाहते है उन्हें उच्च शिक्षा का अवसर प्राप्त होगा।

(स) शिक्षार्थियों के संभावित लक्ष्य समूह का स्वरूप :–

यह कार्यक्रम विशेष रूप से उन शिक्षार्थियों के आवश्यकतानुसार तैयार किया गया है जो नियमित शैक्षणिक अध्ययन से वंचित है। शासकीय व अशासकीय लोक नियोजन में कार्यरत कला स्नातक कर्मचारी, ग्रामीण क्षेत्र के शिक्षार्थी, आर्थिक स्थिति से कमजोर, व्यवसायी, गृहिणी एवं कामकाजी महिलायें जो. किसी कारण से नियमित अध्ययन करने में असमर्थ है ऐसे शिक्षार्थी लक्ष्य समूह है।

(द) दूरस्थ एवं ऑनलाइन शिक्षा केन्द्र पद्धति तहत विशिष्ट कौशल और क्षमता प्राप्त करने के लिए आयोजित किये जाने वाले कार्यक्रम की उपयुक्तता:–

- स्नातकोत्तर शिक्षार्थियों का वैदिक एवं लौकिक संस्कृत साहित्य का ज्ञान प्राप्त होगा।
- स्नातकोत्तर शिक्षार्थी प्राचीन भारतीय संस्कृति, सभ्यता, एवं परंपरा से परिचित होंगे।
- संस्कृत भाषा में अभिरूचि रखने वाले शिक्षार्थियों को संस्कृत भाषा का ज्ञान होगा।
- स्नातकोत्तर शिक्षार्थी संस्कृत भाषा के वातावरण में संचरण करेगा।

(इ) निर्देशात्मक डिजाइन :–

दूरस्थ एवं ऑनलाइन शिक्षा केन्द्र पद्धति में एम. ए. संस्कृत कार्यक्रम दो वर्षीय चार सेमेस्टर की अवधि का होगा, इस पाठ्यक्रम में स्नातक उत्तीर्ण शिक्षार्थी प्रवेश ले सकता है।

C.V. Raman University Vice Chancellor Bilaspur (C.G)

Registrar

क्रेडिट प्वाईंट :–

दूरस्थ एवं ऑनलाइन शिक्षा केन्द्र में एम. ए. संस्कृत पाठ्यक्रम क्रेडिट सिस्टम का अनुसरण करती है इस प्रणाली में प्रत्येक क्रेडिट 30 घण्टों के अध्ययन के समकक्ष होता है अर्थात् प्रत्येक सेमेस्टर के एक विषय में 4 क्रेडिट प्वाईंट है जिसमें 120 घण्टों का अध्ययन सम्मिलित है। इससे शिक्षार्थी को उस पाठ्यक्रम को पूर्ण करने में लगने वाले समय व श्रम का ज्ञान होगा। एम. ए. संस्कृत कार्यक्रम चार सेमेस्टर में विभाजित है प्रत्येक सेमेस्टर में 20 क्रेडिट प्वाईंट है इस प्रकार चार सेमेस्टर 80 क्रेडिट प्वाईंट का होगा।

MASTER OF ARTS - SANSKRIT LITERATURE

Duration: 24 Months (2 Years) Eligibility: Graduate in any discipline

Course Code	Name of the Course	Credit	Total Marks	Theory		Practical/ Project Report		Assignments/ Project Viva Voce	
				Max	Min	Max	Min	Max	Min
	First Semester								
1MASANS1	वेद एवं वेदाङ्ग– I	4	100	70	25			30	11
1MASANS2	व्याकरण एवं भाषा विज्ञान – I	4	100	70	25			30	11
1MASANS3	भारतीय दर्शन-I	4	100	70	25			30	11
1MASANS4	काव्य–I	4	100	70	25			30	11
1MASANS5	महाकाव्य– I	4	100	70	25			30	11
Total aggregate required to pass		20	500	350	140			150	60
	Second Semester								
2MASANS1	वेद एवं वेदाङ्ग-II	4	100	70	25			30	11
2MASANS2	व्याकरण एवं भाषा विज्ञान-II	4	100	70	25			30	11
2MASANS3	भारतीय दर्शन-II	4	100	70	25			30	11
2MASANS4	काव्य –II	4	100	70	25			30	11
2MASANS5	महाकाव्य–II	4	100	70	25			30	11
Total aggregate required to pass		20	500	350	140			150	60
	Third Semester								
3MASANS1	भारतीय इतिहास	4	100	70	25			30	11
3MASANS2	साहित्यशास्त्र एवं सौंदर्यशास्त्र- I	4	100	70	25			30	11
3MASANS3	काव्य शास्त्र –I	4	100	70	25			30	11
3MASANS4	साहित्यशास्त्र एवं सौंदर्यशास्त्र- II	4	100	70	25			30	11
3MASANS5	काव्य शास्त्र – II	4	100	70	25			30	11
Total aggregate required to pass		20	500	350	140			150	60
	Fourth Semester								
4MASANS1	शोध प्रविधि	4	100	70	25			30	11
4MASANS2	विशेष कवि भवभूति	4	100	70	25			30	11
4MASANS3	विशेष कवि भास	4	100	70	25			30	11
4MASANS4	परियोजना कार्य / मौखिक परीक्षा	8	200			100	36	100	36
Total aggregate required to pass		20	500	210	84	100	40	190	76

मूल्यांकन योजनाः प्रत्येक सिद्धांत, व्यावहारिक, परियोजना, शोध प्रबंध और आंतरिक मूल्यांकन में 36%लेकिन उत्तीर्ण होने के लिए कुल योग 40% है।

Dr. B.V. Raman University Vice Chancellor Bilaspur (C.G.)

Registrar

अवधिः

इस कार्यक्रम की अवधि दो वर्षीय चार सेमेस्टर की होगी तथा शिक्षार्थियों को अपनी स्नातकोत्तर उपाधि 04 वर्ष के अन्दर पूर्ण करना होगा।

माध्यमः

इस कार्यक्रम का माध्यम हिन्दी एवं संस्कृत होंगे, लिखित परीक्षा हिन्दी एवं संस्कृत भाषा में होगी।

शैक्षणिक एवं सहायक स्टाफ की आवश्यकता :

विश्वविद्यालय में शिक्षार्थियों के मार्गदर्शन व सहायता के लिये एम. ए. संस्कृत कार्यक्रम हेतु दो सहायक आचार्य स्तर के शैक्षणिक स्टाफ उपलब्ध हैं साथ ही शिक्षार्थियों के लिए शिक्षार्थी सहायता केन्द्र भी स्थापित है।

पाठ्यक्रम डिलीवरी व्यवस्था :

दूरस्थ एवं ऑनलाइन शिक्षा प्रणाली के अंतर्गत पढ़ने का तरीका परम्परागत शिक्षा व्यवस्था से पूरी तरह अलग होता है। दूरस्थ एवं ऑनलाइन शिक्षा में यह तुलनात्मक रूप से अधिक शिक्षार्थी पर केन्द्रित होती है तथा पढ़ने–पढ़ाने की प्रक्रिया में शिक्षार्थी सक्रिय रूप से भागीदारी करता है। आवश्यकता के अनुसार पाठ्यक्रम दूरस्थ शिक्षा विधियों व शाला की कक्षा के अनुसार शिक्षार्थियों को पढ़ाया व सिखाया जाता है। पाठ्यक्रम के प्रत्येक प्रश्नपत्र के लिये मुद्रित अध्ययन सामग्री समय–समय पर शिक्षार्थी को भेजी जाती है। यह अध्ययन सामग्री के साथ ही भेजे जाते है। कुछ पाठ्यक्रमों के ऑनलाइन मॉड्यूल भी उपलब्ध हैं कुछ का विकास कार्य अभी प्रगति पर है जैसे ही वे तैयार हो जायेगें पंजीकृत शिक्षार्थियों के लिए वेबसाईट पर उपलब्ध करा दिये जायेगें।

पत्येक सेमेस्टर में क्रेडिट संरचना के अनुसार 15 दिनों की संपर्क कक्षा का आयोजन होगा। संपर्क कार्यक्रम के लिये समय एवं स्थान की जानकारी शिक्षार्थियों को अलग से भेजी जायेगी। शिक्षार्थियों को दूरस्थ शिक्षा के अंतर्गत पाठ्क्रम डिलीवरी के लिये प्रिंटेड शैक्षणिक सामाग्री के साथ मल्टीमीडिया माध्यम से अध्ययन सामग्री प्रदान की जाती है।

- **स्व निर्देशात्मक मुद्रित सामग्री** –शिक्षार्थियों को सैद्धांतिक व व्यावहारिक दोनों प्रकार के ज्ञान के लिए पाठ्यक्रम की अध्ययन सामग्री अलग–अलग समूहों में स्वनिर्देशात्मक शैली में मुद्रित कर भेजी जाती है।

Dr. C.V. Raman University Vice Chancellor Bilaspur (C.G.)

Dr. C.V. Raman University Registrar Kota Road Kota Bilaspur (C.G.)

- **दृश्य श्रव्य सामग्री** –शिक्षार्थी आसानी से विषय समझ सकें इसलिए विश्वविद्यालय द्वारा अनेक पाठ्यक्रम आधारित दृश्य–श्रव्य सीडी का निर्माण किया गया है। ये दृश्य कार्यक्रम सामान्यतः 25–30 मिनट अवधि के होते है। इन दृश्य प्रोग्रामों को अध्ययन केन्द्रों पर नियत समय पर शिक्षार्थियों के लिए दिखाया जाता है।

- **परामर्श सत्र** – दूरस्थ एवं ऑनलाइन शिक्षा केन्द्र द्वारा शिक्षार्थियों की सुविधा हेतु अपने यहाँ नियत कार्यक्रम के अनुसार परामर्श सत्र आयोजित किये जाते हैं सामान्यतः इन्हें विश्वविद्यालय दूरस्थ एवं ऑनलाइन शिक्षा केन्द्र में आयोजित किया जाता है।

- **टेलीकॉफ्रेसिंग** – विश्वविद्यालय दूरस्थ एवं ऑनलाइन शिक्षा केन्द्र में स्टूडियो से शिक्षार्थियों व शिक्षकों के मध्य संवाद हेतु वीडियो कान्फ्रेसिंग का आयोजन किया जाता है। इसका विवरण विश्वविद्यालय दूरस्थ एवं ऑनलाइन शिक्षा केन्द्र में उपलब्ध कराया जाता है।

- **सत्रीय कार्य** –कुछ पाठ्यक्रमों में औद्योगिक प्रशिक्षण/प्रायोगिक/परियोजना कार्य भी सम्मिलित है किन्तु इस कार्यक्रम में सत्रीय कार्य/लघुशोध प्रबंध कार्य सम्मिलित है जिसमें 30 प्रतिशत वेटेज दिया जायेगा। सत्रीय कार्य दूरस्थ एवं ऑनलाइन शिक्षा केन्द्र द्वारा उपलब्ध कराई गई समय सारणी अनुसार कराए जाते है।

- **सम्पर्क कक्षाओं की प्रकृति–** सम्पर्क कक्षा के दौरान शिक्षार्थियों को पाठ्यक्रम सामग्री के आधार पर निर्देश एवं मार्गदर्शन दिये जाते हैं। सम्पर्क कक्षा के समय शिक्षार्थी अपनी समस्याओं के समाधान हेतु परामर्शदाता एवं सहपाठी से विचार विमर्श कर सकता है।

- **परामर्श एवं अध्ययन संरचना** :–सम्पूर्ण एम. ए. संस्कृत कार्यक्रम में परामर्श एवं अध्ययन संरचना क्रेडिट सिस्टम व अध्ययन अवधि घण्टों पर अधारित है प्रत्येक सेमेस्टर में एक कोर्स 4 क्रेडिट का होगा जिसमे अध्ययन के लिए 120 घण्टों की आवश्यकता होगी। इस अध्ययन अवधि को प्रत्यक्ष परामर्श में 16 घण्टें, स्वअध्ययन 68 घण्टें और सत्रीय कार्य 36 घण्टें में विभाजित होगा।

परामर्श एवं अध्ययन संरचना

Code	Title of the Course	Credit	Total Hours of Study	Counselling and Study Structure (hours)				Project work
				Face to Face Counselling	Self Study	Practical	Assign ments	
First Semester								
1MASANS1	वेद एवं वेदाङ्ग– I	4	120	16	68	-	36	
1MASANS2	व्याकरण एवं भाषा विज्ञान – I	4	120	16	68	-	36	
1MASANS3	भारतीय दर्शन –I	4	120	16	68	-	36	
1MASANS4	काव्य–I	4	120	16	68	-	36	
1MASANS5	महाकाव्य–I	4	120	16	68	-	36	
	Total	**20**	**600**	**80**	**340**	-	**180**	
Second Semester								
2MASANS1	वेद एवं वेदाङ्ग–II	4	120	16	68	-	36	
2MASANS2	व्याकरण एवं भाषा विज्ञान– II	4	120	16	68	-	36	
2MASANS3	भारतीय दर्शन – II	4	120	16	68	-	36	
2MASANS4	काव्य –II	4	120	16	68	-	36	
2MASANS5	महाकाव्य– II	4	120	16	68	-	36	
	Total	**20**	**600**	**80**	**340**	-	**180**	
Third Semester								
3MASANS1	भारतीय इतिहास	4	120	16	68	-	36	
3MASANS2	साहित्यशास्त्र एवं सौन्दर्यशास्त्र – I	4	120	16	68	-	36	
3MASANS3	काव्य शास्त्र –I	4	120	16	68	-	36	
3MASANS4	साहित्यशास्त्र एवं सौन्दर्यशास्त्र–II	4	120	16	68	-	36	
3MASANS5	काव्य शास्त्र – II	4	120	16	68	-	36	
	Total	**20**	**600**	**80**	**340**	-	**180**	
Fourth Semester								
4MASANS1	शोध प्रविधि	4	120	16	68	-	36	
4MASANS2	विशेष कवि भवभूति	4	120	16	68	-	36	
4MASANS3	विशेष कवि भास	4	120	16	68	-	36	
4MASANS4	परियोजना कार्य / मौखिक परीक्षा	**8**	**240**					**240**
	Total	**20**	**600**	**48**	**204**		**108**	

(ई) प्रवेश पाठ्यक्रम लागू करने और मूल्यांकन करने की प्रकिया :–

प्रवेश प्रक्रिया :–

दूरस्थ एवं ऑनलाइन शिक्षा केन्द्र के अर्न्तगत एम. ए. संस्कृत कार्यक्रम में प्रवेश विश्वविद्यालय के नियमानुसार प्राविण्य सूची या प्रवेश परीक्षा के माध्यम से होगी। प्रवेश हेतु यू. जी. सी. से

Dr. C.V. Raman University Vice Chancellor Bilaspur (C.G.)

Registrar

मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से किसी भी विषय में स्नातक उत्तीर्ण छात्र पात्र होंगें। इस कार्यक्रम में प्रवेश ऑनलाइन माध्यम से किया जायेगा। शिक्षार्थी को विश्वविद्यालय द्वारा तय अवधि में समस्त प्रमाण पत्र एवं प्रवेश शुल्क के साथ आवेदन करना होगा।

S.N.	Course	Eligibility	Duration	Total Fee
1	M.A. Sanskrit	Graduate any discipline	2 Years	24600

वित्तीय सहायताः

अनु. जाति/अनु. जनजाति के शिक्षार्थी कोई–छात्रवृत्ति छ.ग. शासन के निर्धारित योजना के मानदण्ड के अनुसार प्राप्त होगा।

मूल्यांकन पद्धतिः

दूरस्थ एवं ऑनलाइन शिक्षा पद्धति के मूल्यांकन पद्धति परम्परागत शिक्षा पद्धति से अलग होता है। विश्वविद्यालय में मूल्यांकन बहुस्तरीय पद्धति है।

1. अध्ययन इकाई के अन्दर ही स्व मूल्यांकन की बहुस्तरीय पद्धति है।

2. शिक्षक द्वारा जाँचे जाने सत्रीय कार्य तथा समय समय पर आयोजित संगोष्ठी, फिल्ड वर्क, सामुदायिक भागीदारी, विस्तारित सम्पर्क कार्यक्रम के माध्यम से सतत् मूल्यांकन ।

3. अंतिम सेमेस्टर परीक्षा/टर्म समाप्ति होने पर परीक्षा।

4. शिक्षार्थियों का मूल्यांकन उनके द्वारा अध्ययन क्रम के दौरान इन गतिविधियों पर निर्भर करता है जिनमें वे भाग लेते है। अवधि पूरी होने के उपरान्त होने वाली परीक्षा में शिक्षार्थी सम्मिलित हो सकता है जब उसने अध्ययन क्रम में दिये गये समस्त सत्रीय कार्य पूर्ण कर लिया हो। शिक्षार्थी को शिक्षक द्वारा जाँचे जाने वाले सत्रीय कार्य को उस अध्ययन केन्द्र पर जमा करना होता है जिससे वह सम्बन्धित है। शिक्षार्थी को सलाह दी जाती है कि वे शिक्षक द्वारा जाँचे जाने वाले सत्रीय कार्य की एक प्रति अपने पास सुरक्षित रखें तथा मांगे जाने पर शिक्षार्थी मूल्यांकन प्रभाग के सम्मुख उन्हे प्रस्तुत करें। दिसंबर एवं जून में प्रदेश भर में चयनित केन्द्रों में पाठ्यक्रम के उपरान्त् परीक्षा आयोजित की जायेगी। स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों में सत्रीय कार्य को 30% वेटेज दिया जायेगा।

(अ) आंतरिक मूल्यांकन (सतत् मूल्यांकन यानी होम असाईनमेंट): 30% वेटेज।

(ब) अंतिम सेमेस्टर परीक्षा/टर्म समाप्ति परीक्षाः 70% वेटेज।

Dr. C.V. Raman University Vice Chancellor Bilaspur (C.G.)

Registrar

अंतिम सेमेस्टर परीक्षा / टर्म समाप्ति परीक्षा (योगात्मक मूल्यांकन)	70
आंतरिक मूल्यांकन (सतत् मूल्यांकन)	30
कुल अंक	100

विश्वविद्यालय द्वारा अंतिम सेमेस्टर परीक्षा / टर्म समाप्ति परीक्षा के उपरान्त प्रत्येक वर्ष नवंबर–दिसंबर एवं मई–जून में टर्म समाप्ति परीक्षा आयोजित की जाती है शिक्षार्थी इस परीक्षा में तभी सम्मिलित हो सकता है जब वह निम्नांकित शर्तें पूर्ण करेगा –

1. शिक्षार्थी का उस पाठ्यक्रम के लिए पंजीकरण वैध हो।
2. उस अध्ययन क्रम के लिए आवश्यक न्यूनतम समय पूर्ण किया हो।
3. उस अध्ययन क्रम के लिए आवश्यक समस्त सत्रीय कार्य निर्धारित समयावधि में जमा किया हो।

(C) सत्रीय / परियोजना कार्य–

शिक्षार्थी को एम. ए. संस्कृत पाठ्यक्रम के चतुर्थ सेमेस्टर में तीन मुख्य विषय के परीक्षा के साथ चतुर्थ विषय परियोजना कार्य / लघुशोध प्रबंध कार्य निर्धारित समायावधि में पूर्ण करना होगा। परियोजना कार्य 200 अंक के होंगे जिसमें मौखिक परीक्षा के 60 अंक शामिल होंगें। अन्य विषयों के सत्रीय कार्य भी निर्धारित समयावधि में पूर्ण करना होगा।

प्रयोगशाला सुविधा और पुस्तकालय संसाधन की आवश्यकताः

इस पाठ्यक्रम में प्रयोगशाला की आवश्यकता नही होगी। शिक्षार्थियों के अध्ययन के लिये विश्वविद्यालय में क्रेन्दीय पुस्तकालय एवं संदर्भ पुस्तकालय, दूरस्थ एवं ऑनलाइन शिक्षा क्रेन्द में उपलब्ध है जहां शिक्षार्थी अपनी सुविधानुसार पाठ्य सामग्री लेकर अध्ययन कर सकता है।

कार्यक्रम पर होने वाली लागत और प्रावधानः

वर्ष 2009–10 में पहले ही डिजाइन और विकसित किया जा चुका है। आज के परिदृश्य को ध्यान में रखते हुए विकास की इस प्रक्रिया में, वर्तमान लागत अनुमान जिसमें विकास लागत शामिल है। इस कार्यक्रम के लिए डिलीवरी लागत और रखरखाव लागत 9,55020 रुपये आती है और 9,56000 रुपये का प्रावधान किया जाता है।

गुणवत्ता आश्वासन तंत्र और अपेक्षित कार्यक्रम परिणामः

विश्वविद्यालय के गुणवत्ता आश्वासन तंत्र और भाषा एवं साहित्य विभाग (संस्कृत एवं प्राच्य भाषा) द्वारा इस कार्यक्रम की निरंतर समीक्षा एवं निगरानी की जाती है तथा हितग्राहियों की प्रतिक्रिया के आधार पर उचित निष्कर्ष निकालकर कार्यक्रम को और प्रभावशाली एवं उपयोगी बनाया जाता है।

Dr. C.V. Raman University Vice Chancellor Bilaspur (C.G.)

Registrar

एम. ए. संस्कृत कार्यक्रम के द्वारा शिक्षार्थियों को संस्कृत भाषा सीखने, प्राचीन भारतीय भाषा एवं परंपरा का ज्ञान, वैदिक एवं लौकिक संस्कृत साहित्य की उच्चस्तरीय शिक्षा प्राप्त करने, शासकीय/अशासकीय कर्मचारियों को पदोन्नति के अवसर के साथ–साथ संस्कृत भाषा शिक्षक, ऑनलाइन ट्रान्सक्रिप्टर, व्याख्याता, कार्यालयीन भाषा अधिकारी, संस्कृत टंकणकर्ता, संस्कृत हिन्दी प्रशिक्षण अधिकारी के क्षेत्र मे भविष्य निर्माण का सुनहरा अवसर प्राप्त होगा।